मन नि रंगाया रंगाया कपड़ा कबीर भजन लिरिक्स

मन नि रंगाया रंगाया कपड़ा,
हो जोगी मन नी रंगाया रंगाया कपड़ा,
रंगाया कपड़ा हो रंगाया कपड़ा।bd।

हा जाय जंगल जोगी,
धुणी रमाई रे हा,
हा राख लगाई ने,
होया गदडा,
हा राख लगाई ने,
होया गदडा,
जोगी मन नी रंगाया रंगाया कपड़ा,
रंगाया कपड़ा हो रंगाया कपड़ा।bd।

हा जाय जंगल जोगी,
जटा बढाई रे हा,
हा दाढ़ी रखाई ने होया बकरा,
हा दाढ़ी रखाई ने होया बकरा,
जोगी मन नी रंगाया रंगाया कपड़ा,
रंगाया कपड़ा हो रंगाया कपड़ा।bd।

हा जाई जंगल जोगी,
गुफा बणाई रे हा,
हा गुफा बणाई ने होया उदंरा,
हा गुफा बणाई ने होया उदंरा,
जोगी मन नी रंगाया रंगाया कपड़ा,
रंगाया कपड़ा हो रंगाया कपड़ा।bd।

हा दुध पिवेगा जोगी,
बालक बछुवा रे हा,
हा काम जलाई ने होया हिजड़ा,
हा काम जलाई ने होया हिजड़ा,
जोगी मन नी रंगाया रंगाया कपड़ा,
रंगाया कपड़ा हो रंगाया कपड़ा।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

हा कहे कबीर सुणो,
भाई साधो रे हा,
हा जम के द्वारे मचाया झगड़ा,
जोगी मन नी रंगाया रंगाया कपड़ा,
रंगाया कपड़ा हो रंगाया कपड़ा।bd।

मन नि रंगाया रंगाया कपड़ा,
हो जोगी मन नी रंगाया रंगाया कपड़ा,
रंगाया कपड़ा हो रंगाया कपड़ा।bd।

Upload By – Nikul Parmar
8128372814

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com